



भारतीय आईटी कंपनी टीसीएस द्वारा शेयर पुनर्खरीद की घोषणा

सन्दर्भ :

अमेरिकी सॉफ्टवेयर सेवा प्रदाता कॉन्ग्लोमरेट टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस की ओर से अपने शेयरधारकों को पुनर्खरीद और लाभांश के जरिये 3.4 अरब डॉलर देने की घोषणा के महज एक हफ्ते बाद टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) शेयर पुनर्खरीद की ओर अग्रसर हो गई है। टीसीएस ने 16 फरवरी 2017 को घोषणा की है, कि कंपनी के नदिशक मंडल की सोमवार को होने वाली बैठक में शेयर पुनर्खरीद पर वचिार कथिा जाएगा।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस)

- वदिति हो कऱ् टीसीएस आईटी सेवा, परामर्श तथा व्यवसाय समाधान उपलब्ध कराने वाला एक संगठन है।
- टीसीएस, आईटी, बीपीओ, इंफ्रास्ट्रक्चर, इंजीनियरिंग अश्योरेंस सेवाओं की परामर्श आधारित एकीकृत पोर्टफोलियो पेश करता है।
- इसे ग्लोबल नेटवर्क डेलिवरी मॉडल टीएम के जरिए प्रदान कथिा जाता है, जसि सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट में एक उत्कृष्टता मापदंड के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- टीसीएस, जो कऱ् भारत के सबसे वशिाल औद्योगिक घराने टाटा समूह का एक हस्सिा है, इसके श्रेष्ठ प्रशक्षिति परामर्शदाताओं की संख्या 3,71,000 से भी अधिक है और वे दुनिया के 45 देशों में वसितरति हैं।
- उल्लेखनीय है, कऱ् कंपनी का समेकति राजस्व 31 मार्च, 2016 को (वतित वर्ष 2015-16 के लऱि) 16.5 बलियिन यूएस डॉलर रहा।
- ध्यातव्य है, कऱ् भारत में नैशनल स्टॉक एक्सचेंज व बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर टीसीएस कंपनी सूचीबद्ध है।

परमुख बदि :

- स्टॉक एक्सचेंज को दी सूचना में टीसीएस ने जानकारी दी है कऱ् कंपनी के नदिशक 20 फरवरी को होने वाली बैठक में शेयर पुनर्खरीद प्रस्ताव पर वचिार करेंगे।
- वदिति हो कथिदऱ् पुनर्खरीद को मंजूरी मिलती है तो 2004 में कंपनी के सूचीबद्ध होने के बाद पहली बार वह शेयरों की पुनर्खरीद करेगी।
- बाजार ने इस खबर के प्रतऱ् सकारात्मक प्रतक्रिया दी है और इस बात की संभावना जताई जा रही है कऱ् अन्य आईटी कंपनियॉ जैसे इन्फोससि और वपिरो इत्यादि भी पुनर्खरीद कर सकती हैं।
- भारतीय आईटी कंपनियॉ मुखयतः टीसीएस और इन्फोससि के पास भारी मात्रा में नकदी है, जसि लेकर बड़े और छोटे नविशक अक्सर सवाल उठाते रहे हैं कऱ् कंपनी अतरिकित नकदी को शेयरधारकों को क्यों नहीं वापस कर रही है।
- टीसीएस के साथ ही इन्फोससि, वपिरो, टेक महदिरा और एचसीएल टेक्नोलॉजीस के शेयर 1.4 से 3 फीसदी बद्धत पर बंद हुए।
- दरअसल, अधकिॉश कम्पनियॉ सालाना आधार पर इसकी चर्चा करती हैं कऱ् कंपनी की अर्जति नकदी का कसि तरह से बेहतर उपयोग कथिा जाए। शेयर पुनर्खरीद और वशिष लाभांश जैसे वकिल्प भी खुले हुए हैं।
- आंकड़ों से पता चलता है कऱ् इन्फोससि, एचसीएल टेक्नोलॉजीस और टेक महदिरा ने पछिले दो वर्षों में 1.1 अरब डॉलर मूल्य के 11 अधग्रहण कऱिे हैं।
- वपिरो ने दो साल में 1.2 अरब डॉलर के 5 अधग्रहण कऱिे जबकऱ् टीसीएस ने एक भी अधग्रहण नहीं कथिा।
- वपिरो पाँच बड़ी आईटी कंपनियॉ में पहली कंपनी है, जसिने पछिले साल 2,500 करोड़ रुपये से शेयरों की पुनर्खरीद की थी और 31 दसिंबर 2016 तक उसके पास 32,000 करोड़ रुपये की नकदी और बैंक में जमा/नविश थे।
- वपिरो ने पछिले साल 2,500 करोड़ रुपये की शेयर पुनर्खरीद की थी और अब भी यह 40 से 45 फीसदी लाभांश वतिरण अनुपात की नीतऱ् पर कायम है।
- खुद टीसीएस के पास दसिंबर के अंत तक 43,169 करोड़ रुपये की नकदी और नविश पड़ा था।
- टीसीएस के पुनर्खरीद प्रस्ताव का ब्योरा सोमवार को आणा लेकनि वशि्लेषकों का अनुमान है कऱ् कंपनी करीब 8,400 करोड़ रुपये की पुनर्खरीद कर सकती है जबकऱ् उसके पास करीब 38,000 करोड़ रुपये की नकदी है।
- एचडीएफसी का मानना है कऱ् पुनर्खरीद के जरिये पूंजी के आवंटन की अच्छी गुंजाइश है क्योंकि शेयर का मूल्यांकन भी ऐतहिसकि नचिले स्तर पर है।
- आमतौर पर लाभांश भुगतान की तुलना में पुनर्खरीद को तरजीह दी जाती रही है क्योंकि इसमें कर की कम देनदारी बनती है।
- लाभांश वतिरण की प्रभावी कर दर 20 फीसदी है लेकनि साल में 10 लाख रुपये से अधिक के लाभांश आय पर अतरिकित 10 फीसदी का कर देना पड़ता है।
- इन्फोससि कंपनी के पूंजी आवंटन की एक स्पष्ट नीतऱ् है, जसिकी नयिमति तौर पर समीक्षा की जाती है। पछिले तीन साल के दौरान इसने दो बार लाभांश भुगतान में इजाफा कथिा है।
- बोर्ड और प्रबंधन नरितर नीतऱ् की समीक्षा करते हैं और सही समय पर उचति नरिणय लथिा जाएगा।

नष्कर्ष :

कंपनियों की ओर से शेयर पुनर्खरीद की पहल ऐसे समय में की जा रही है जब कारोबार वृद्धि की रफ्तार धीमी है। दुनिया के सबसे बड़े आईटी बाजार अमेरिका में ग्राहकों की ओर से भारतीय आईटी कंपनियों को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे इनकी बिक्री पर भी दबाव बना हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों का भी असर भारतीय आईटी कंपनियों पर पड़ने की आशंका है। कंपनी ने यह घोषणा ऐसे समय की है जब भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों से उनके पास जमा भारी नकद राशियों के उपयोग को लेकर उनके शेयरधारक सवाल उठा रहे थे। घरेलू आईटी कंपनियाँ भारी-भरकम अधग्रहण पर भी सतर्कता बरत रही हैं और क्लाउड एवं डिजिटल जैसी नई तकनीकों को अपनाने में थोड़ी सुस्ती दिखा रही हैं। इससे भी उनके विकास पर असर पड़ा है।

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/tcs-announces-buyback>

